Ph. No. 01684-240161

S D MAHILA MAHAVIDYALYA
NARWANA-126116 (JIND) HARYANA

Dated:-.....

Notice

सभी छात्राओं को सूचित किया जाता है कि 22.04.2022 को विश्व पृथ्वी दिवस पर महाविद्यालय में राष्ट्रीय पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

WANA-126116 (JIND

Poster Making (21-22) Compitition on Earth Day

S.No	Name	Class	Roll No
1.	Renu	B.A. 2nd year	91
2.	Simran	B.A. 2nd year	114
3.	Gungan	B.Com 2nd year	06
4.	Priyanka	B.Com 2nd year	03
5.	Preeti	B.Sc 2nd year	06
6.	Vinti	B.Sc 2nd year	015
7.	Annu	B.SC Final year	10
8.	Priyanka	B.A. Final year	160
9.	Kajal	B.Com Final year	78
10.	Ritu	B.Com Final year	39

विश्व पृथ्वी दिवस पर एस.डी. महिला कॉलेज में किया गया पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन

एस.डी. महिला कॉलेज में आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेने वाली छात्राएं अपने पोस्टर के साथ। (राजीव)

नरवाना, 22 अप्रैल (राजीव) : सनातन धर्म महिला महाविद्यालय नरवाना में प्राचार्या डा. अंजना लोहान की अध्यक्षता में तथा महिला प्रकोष्ठ व नेचर इंटरपरिटेशन सैल के संयुक्त तत्वावधान में विश्व पृथ्वी दिवस पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित करवाई गई। प्रतियोगिता की प्रभारी डा. अनिता छाबड़ा व डा. नयनदीप ने बताया कि छात्राओं को प्रकृति, धरती व हरे-भरे स्वच्छ वातावरण की महिमा का आभास करवाने के उद्देश्य को लेकर यह प्रतियोगिता रखी गई। धरती हमारी माता है, हम इनकी संतान है, जैसे मां हमेशा अपनी संतान का भला सोचती है, कल्याण करती है, वैसे ही हमारा भी फर्ज है कि हम अपनी पृथ्वी मां की सेवा करें, संरक्षण करें। छात्राओं को इस भावना से जोड़ने हेतु यह प्रतियोगिता करवाई गई। इस प्रतिस्पर्धा में 30 छात्राओं ने भाग लिया।

इनमें बी.एस.सी. तृतीय वर्ष की छात्रा आरजू ने प्रथम, एम.कॉम. की छात्रा रंजना व बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्रा समीक्षा संयुक्त रूप से द्वितीय तथा बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्र मंजू व बी.कॉम. द्वितीय वर्ष की छात्र अनु रानी ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। निर्णायक मंडल की भूमिका रेखा कोहली, मूर्ति जागलान, गीता बनवाला, अनीता चौधरी ने निभाई। प्राचार्या डा. अंजना लोहान ने विजेता छात्राओं के साथ-साथ प्रतिभागी छात्राओं को शाबासी देते हुए कहा कि पृथ्वी हमारा संरक्षण करती है, पृथ्वी से ही हमारा जीवन है। इसकी संभाल, संरक्षण व संवर्धन करने की नैतिक जिम्मेदारी है। यदि हम इसका ख्याल नहीं रखेंगे तो आखिरकार इसमें सर्वाधिक नुक्सान हमारा ही है।

पंजाब केसरी (23/4/22) अमर उजाला